माणिकचंद्र वाजपेयी

माणिकचंद्र वाजपेयी (मामा जी) ने निस्वार्थ जीवन व्यतीत किया और अपने जीवन के अंत तक समाज सेवा में लगे रहे।

उनका जन्म 7 अक्तूबर, 1919 को बटेश्वर, जिला आगरा (उत्तर प्रदेश) में हुआ। उन्होंने मोरार, ग्वालियर से अपनी शिक्षा पूरी की। उन्होंने ग्वालियर राज्य में माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में पहला स्थान प्राप्त किया और इंटर अजमेर बोर्ड परीक्षा में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 1944 से 1953 तक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक बने। वे अदोखर (भिंड) में कॉलेज स्थापित करने में अग्रणी रहे तथा स्वदेशी जागरण मंच के मध्य भारत के संयोजक भी रहे और 1951 से 1954 तक जनसंघ के मध्य भारत के संगठन सचिव के रूप में कार्य किया।

उन्होंने भिंड से प्रकाशित साप्ताहिक 'देशमित्र' के सम्पादक के रूप में पत्रकारिता की शुरुआत की। वे 'दैनिक स्वदेश', इंदौर से इसकी स्थापना वर्ष 1966 से जुड़े हुए थे और 1968 से 1985 तक इस समाचारपत्र के सम्पादक रहे। बाद में वे भोपाल, जबलपुर, सागर, रायपुर और बिलासपुर के स्वदेश के सलाहकार सम्पादक के रूप में रहे और कई पत्रकारों का पथ प्रदर्शन किया।

आपातकाल के दौरान वे 20 महीने जेल में बंद रहे। वे एक सुवक्ता लेखक थे। उनके लेख और संपादकीय आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने 'आपातकालीन संघर्ष गाथा', 'प्रथम अग्नि परीक्षा', 'भारतीय नारी स्वामी विवेकानंद की दृष्टि में', 'कश्मीर का कड़वा सच', 'ज्योतिजला निजप्राण की' और 'मध्य भारत की संघ गाथा' जैसी किताबों में ऐतिहासिक घटनाओं को असाधारण रूप से शामिल किया।

भारतीय डाक विभाग माणिकचंद्र वाजपेयी पर एक स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता अनुभव करता है।

आभार:

डाक–टिकट / विरूपण कैशे	:	श्रीमती अलका शर्मा,
प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका /	:	श्रीमती नीनू गुप्ता
पाठ	:	प्रस्तावक से प्राप्त जानकारी के आधार पर

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	500 पैसे 500 p
मुद्रित डाक टिकटें Stamps Printed	: :	300000 300000
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philatelic Bureaux across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00

Manikchandra Vajpayee

Manikchandra Vajpayee (Mama ji) led a selfless life and remained engaged in social service till the end of his life.

He was born on October 7, 1919 in Bateshwar, district Agra (Uttar Pradesh). He completed his education from Morar, Gwalior. He secured first position in the Middle Board Examination in Gwalior State and received a Gold Medal in the Inter Ajmer Board Examination. He was a Pracharak of the Rashtriya Swayamsevak Sangh from 1944 to 1953. He was a pioneer in establishment of a college in Adokhar (Bhind) and convener for Central India of Swadeshi Jagran Manch and organisational secretary for Central India of Jansangh between 1951 and 1954.

He began his career in journalism as an editor of Weekly 'Deshmitra' published from Bhind. He was associated with 'Dainik Swadesh', Indore since its establishment in 1966, and was the editor of this newspaper between 1968 and 1985. Later, as an editorial advisor of Bhopal, Jabalpur, Sagar, Raipur and Bilaspur editions of 'Swadesh', he guided several journalists.

During the emergency, he was in jail for 20 months. He was an eloquent writer. His articles and editorials are still relevant. He covered historical events in great detail in books such as 'Aapatkalin Sangharsh Gatha', 'Pratham Agni Pariksha', 'Bharatiya Nari Swami Vivekanand Kee Drishti Men', Kashmir Ka Kadva Sach', 'Jyotijala Nij Pran Ki' and 'Madhya Bharat Kee Sangh Gatha'.

India Post is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on Manikchandra Vajpayee.

Credits:

Stamp/ Cancellation Cachet	:	Smt. Alka Sharma
FDC/ Brochure/	:	Smt. Nenu Gupta
Text	:	Based on information received from the proponent

डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
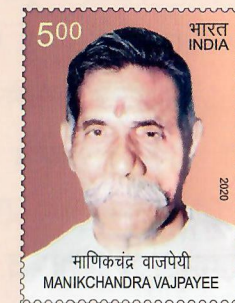
माणिकचंद्र वाजपेयी
MANIKCHANDRA VAJPAYEE

विवरणिका BROCHURE